उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल) | अ

'डी' कोड संख्या (परिषद कार्यालय द्वारा भरा जायगा)

'डी' कोड संख्या--

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये--

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंकों में)

विषय सा० विज्ञान

प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतांक-- 421 IAG

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाये--

केन्द्र संख्या-- [redacted]

कक्ष निरीक्षक

परीक्षा कक्ष संख्या-- 110 दिनांक 19/03/2018 कक्ष निरीक्षक

इण्टरमीडिएट परीक्षा, उत्तराखण्ड | अ | (12 पन्ने)

'डी' कोड संख्या (परिषद् कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

'डी' कोड संख्या--

'ब' उत्तर-पुस्तिकाओं की संख्या →	ब1	ब2	ब3	ब4
हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक → (कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाये)				

विषय सा० विज्ञान प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतांक-- 421 IAG

परीक्षा का दिन सोमवार परीक्षा की तिथि 19/03/18

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर-पुस्तिका का मूल्यांकन समुचित प्रश्न-पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देश के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुख पृष्ठ पर अंकन कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। अवार्ड शीट में प्राप्तांकों की अंकना कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया गया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या

1. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या

2. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या

सन्निरीक्षा

सन्निरीक्षा पूर्व अंक--

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक--

त्रुटि का प्रकार--

दिनांक--

हस्ताक्षर निरीक्षक--

(परीक्षक निम्न तालिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का

उत्तर ÷ 35

असम आंदोलन ÷

सन 1979 से 1985 तक चला असम आंदोलन बाहरी लोगों के विरुद्ध था, असम के लोगों को लग रहा था कि बांग्लादेश की एक बड़ी आबादी भारत में बस गई है उन्हें डर था कि अगर इनकी पहचान कर इन्हें वापस नहीं भेजा गया तो असमी जनसंख्या अल्पसंख्यक हो जाएगी, कुछ आर्थिक मसले भी हैं, असम में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता होने के बावजूद भी उसका एक प्रयोग बाहरी लोगों द्वारा किया जा रहा था परंतु असम की जनता को कोई लाभ नहीं हो रहा था,

इसलिए सन 1979 से 1985 तक आसू (ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन) ने बाहरी लोगों के खिलाफ आंदोलन चलाया, इनकी माँग थी इन लोगों को वापस भेजा जाए, आसू के इस आंदोलन में सभी लोग शामिल हुए व आंदोलन के दौरान हिंसक घटनाएं भी घटी,

असम समझौता ÷

सन 1985 में लगभग 6 साल की सतत अस्थिरता के बाद आसू तथा राजीव गाँधी के मध्य समझौता हुआ जिसमें यह बात पर सहमति बनी की 1951 से पहले और बाद में जितने लोग असम आए हैं तथा उनकी पहचान की जाएगी और वापस भेजा जाएगा समझौते के बाद आसू तथा असम गण संग्राम परिषद ने गठबंधन करके असम गण परिषद बनाई तथा राजनीति में शरीक हुई,

इस प्रकार असम आंदोलन सांस्कृतिक अभिमान और आर्थिक पिछड़ेपन की मिली-जुली अभिव्यक्ति थी।

उत्तर ÷ 34

आपातकाल से आशय ÷

आपातकाल से आशय उस स्थिति से है जब शक्ति का संघीय ढाँचा निष्क्रिय होता है तथा सारी शक्ति सरकार के हाथों में केन्द्रित हो जाती है। सरकार नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगा देती है।

आपातकाल के परिणाम ÷

आपातकाल के निम्न परिणाम रहे

(i) **हड़तालों पर रोक ÷**

आपातकाल का प्रथम प्रभाव तो यह रहा कि इससे हड़तालों पर रोक लगा दी गई व सरकार के खिलाफ धरना देना हड़ताल करना अवैध घोषित कर दिया गया,

(ii) **प्रेस पर पाबंदी ÷**

आपातकाल के दौरान प्रेस पर पाबंदी लगा दी गई तथा कुछ भी छापने से पूर्व सरकार से अनुमति लेनी होगी यह सरकार ने कहा इसे **प्रेस सेंसरशिप** कहा गया,

(iii) **नागरिकों के मौलिक अधिकार स्थगित ÷**

आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए तथा नागरिक अपने अधिकारों के लिए न्यायालय का दरवाजा भी नहीं खटखटा सकते थे।

(iv) **निवारक नज़रबंदी का प्रयोग ÷**

निवारक नज़रबंदी का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया गया, इसके अंतर्गत व्यक्ति को इसलिए गिरफ्तार किया जाता है कि वह अपराध कर सकता है, इसलिए नहीं किया जाता कि उसने कोई अपराध किया है।

(v) **इस्लामी जमातों पर प्रतिबंध ÷**

आपातकाल के दौरान आर० एस० एस० जैसी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

उत्तर ÷ 33

पंचवर्षीय योजना ÷

पंचवर्षीय योजना से आशय उस योजना से है जिसमें सरकार नियोजित विकास को पाँच वर्षों में पूरा करने की योजना, सीमित साधनों से अधिकतम लाभ कमाने में करती है।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना ÷

भारत में सन् 1956-1961 तक द्वितीय पंचवर्षीय योजना को लागू

किया गया, इस योजना के योजनाकार पी० सी० महालनोबिस थे, उन्होंने तर्क दिया कि भारत का विकास धीमी गति से नहीं हो सकता है इसलिए उन्होंने तेज गति से आर्थिक विकास करने पर बल दिया, द्वितीय पन्चवर्षीय योजना में औद्योगिकरण पर बल दिया गया तथा देशी उद्योगों को संरक्षण प्रदान किया गया,

प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भिन्नता :-

प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजनायें मुख्यत: एक दूसरे से भिन्न थी, एक ओर जहाँ प्रथम पचवर्षीय योजना में ज्यादा जोर कृषि पर दिया गया था तो वही दूसरी ओर दूसरी पन्चवर्षीय योजना में औद्योगिकरण पर बल दिया गया था पहली पंचवर्षीय योजना में आर्थिक विकास की दर धीमी रखी गई थी, जबकि द्वितीय पन्चवर्षीय योजना में तीव्र गति से आर्थिक विकास करने पर बल दिया गया था परन्तु पहली पन्चवर्षीय की तुलना में द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अधिक फायदे हुए, तथा देश में औद्योगिक की रफ्तार तेज हुई, जिस कारण भारत भी कि एक उभरती अर्थव्यवस्था बना, वास्तव में पन्चवर्षीय योजनाओं के कारण भारत का आर्थिक विकास तेज हुआ है,

उत्तर ÷ 32

वैश्वीकरण का अर्थ ÷ किसी एक देश की अर्थव्यवस्था का दूसरे देश की अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय ही वैश्वीकरण कहलाता है।

(अ) राजनीतिक प्रभाव ÷ वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव के विषय में तीन तर्क देते हैं –

(i) राज्य की भूमिका का घटना ÷ वैश्वीकरण के कारण कई लोगों का मानना है कि इससे राज्य की भूमिका में कमी हुई है तथा बाजार अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला है।

(ii) राज्य की भूमिका में कमी नहीं ÷ कई लोगों का मानना है कि राज्य की भूमिका में कोई कमी नहीं हुई, वह पहले की तरह ही अपनी भूमिका निभा रहा है।

(iii) राज्य की भूमिका में वृद्धि ÷ अन्य लोगों को लगता है कि वैश्वीकरण के कारण राज्य की भूमिका बढ़ी है। प्रौद्योगिकी तथा अनेक संचार साधनों के माध्यम से राज्य अपने नागरिकों को अधिक सेवाएँ प्रदान करने लगा है।

(ब) आर्थिक प्रभाव

(i) **आर्थिक समृद्धि का बढना :-** इससे आर्थिक समृद्धि बढी है,

(ii) **विदेशी व्यापार में वृद्धि :-** वैश्वीकरण के कारण सांस्कृतिक व्यापार में वृद्धि हुई है जिससे कारण आर्थिक विकास तीव्र हुआ है,

(स) सांस्कृतिक प्रभाव

(i) **पसंद - नापसंद का दायरा बढना :-** वैश्वीकरण के कारण लोगो का पसंद-नापसंद का दायरा बढा है।

(ii) **अमेरिकी संस्कृति पर ढलना :-** वर्तमान में प्रत्येक देश अमेरिका के प्रभाव में है इसका कारण प्रत्येक व्यक्ति को यहां की नीली जीन्स लुभाती है,

उत्तर :- 31

सोवियत संघ के विघटन के निम्न कारण है -

अंदरूनी कमजोरी :- सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था में गतिरोध उत्पन्न हो गया, वहाँ की संस्थाओं में अंदरूनी कमजोरियाँ आ गई वह अपने नागरिको की इच्छा पूरी नहीं कर सकी,

सैन्य व पिछलग्गू देशों पर खर्च ÷ सोवियत संघ ने अपने आर्थिक संसाधनों का अधिकतम प्रयोग सैन्य साजो - सामान्य, परमाणु करना व पिछलग्गू देशों प्रारम्भ कर दिया ताकि वह उनसे जुड़े रह सके।

मिखाइल गोर्बाचेव के सुधार ÷

सोवियत संघ में सन 1985 में सुधारों की शुरुआत की, इस कारण वहाँ की जनता का आर्थिक असंतोष बढ़ गया।

संप्रभुता का उभार ÷ सोवियत संघ का तात्कालिक कारण उसके देशों में संप्रभुता की इच्छा का उभार होना था।

परिणाम

(i) शीतयुद्ध की समाप्ति ÷ सोवियत संघ के विघटन का प्रमुख परिणाम शीतयुद्ध की समाप्ति था, क्योंकि शीतयुद्ध इन्हीं दो सोवियत संघ व अमेरिका के बीच था।

(ii) अमेरिका का दबदबा बढ़ना ÷ सोवियत संघ के विघटन के पश्चात अमेरिका का दबदबा अंतर्राष्ट्रीय फलक पर बढ़ने लगा।

(iii) नये राष्ट्रों का निर्माण ÷ सोवियत संघ के विघटन के पश्चात उससे 15 गणराज्य अलग हुए तथा इनकी स्वतन्त्रता भी बढ़ी।

उत्तर ÷ 1

ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच का आदेश बिल क्लिंटन ने दिया।

उत्तर ÷ 2

चीन।

उत्तर ÷ 3

51।

उत्तर ÷ 4

भारत ने क्योटो प्रोटोकॉल पर 2002 मे हस्ताक्षर किए।

उत्तर ÷ 5

खान अब्दुल गफ्फार खाँ को।

उत्तर ÷ 6

ऑपरेशन फ्लड दुग्ध उत्पादन से संबंधित है, इसके जन्मदाता वर्गीज कुरियन थे।

उत्तर ÷ 7

इंदिरा गाँधी ने।

उत्तर ÷ 8

जयप्रकाश नारायण।

उत्तर ÷ 9

1984 में।

उत्तर ÷ 10

विन्देश्वरी प्रसाद मण्डल।

उत्तर ÷ 11

सोवियत संघ के मदद से स्थापित दो इस्पात कारखाने:

(i) भिलाई लौह इस्पात कारखाना

(ii) बोकारो " " "।

उत्तर ÷ 12

1945 में बम हिरोशिमा और नागासाकी में गिराये गए अमेरिका के द्वारा गिराये गए।

उत्तर ÷ 13

सिंधु नदी पर दो देशों ने हस्ताक्षर किए थे ये 1960 में हुई थी।

(i) भारत
(ii) पाकिस्तान।

उत्तर ÷ 14

विश्व बैंक के दो कार्य-

(i) विकासशील देशों को आसान शर्तों पर ऋण देना।

(ii) विश्व बैंक पर्यावरण सुरक्षा आधारभूत ढाँचा आदि के लिये ऋण देता है, तथा इसकी स्थापना 1945 में हुई थी,

उत्तर ÷ 15

सामरिक अस्त्र परिसीमन संधि-2 पर अमेरिका के राष्ट्रपति जिमी कार्टर तथा सोवियत संघ के नेता लियोनिद ब्रेझनेव ने 1972 में किए थे, यह शस्त्रों का प्रयोग कम करने के लिए की गई थी,

उत्तर ÷ 16

राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 में पारित हुआ इसके आधार पर 14 राज्य 6 केन्द्रशासित प्रदेश बने।

उत्तर ÷ 17

योजना आयोग की स्थापना 1950 में हुई थी वर्तमान में इसका नाम बदलकर नीति आयोग कर दिया है योजना आयोग का कार्य सरकार को आर्थिक विषय में सलाह देना था। इसकी योजनाएँ तभी लागू होती हैं एवं संसद इस पर सहमति दे।

उत्तर ÷ 18

सन् 1999 को भारत की सीमा रेखा पर अपने को मुजाहिदीन बताने वालों ने द्रास मारकस द्राबकहि में कब्जा कर लिया भारतीय सेना इसमें पाकिस्तान की मिलीभगत भाँपकर हरकत में आई। यही कारगिल युद्ध के कारण थे तथा इसे ही कारगिल युद्ध के नाम से जाना जाता है। इसमें भारत की विजय हुई थी।

उत्तर ÷ 19

सूचना का अधिकार आंदोलन राजस्थान के भीम तहसील में 1990 में शुरू हुआ था इसको नेतृत्व वहाँ के संगठन मजदूर किसान शक्ति संगठन ने किया था जिसे एम० के० एस० एस० कहा जाता था।

उत्तर ÷ 20

राजग का पूरा नाम - राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन है यह 13 राजनैतिक दलों का गठबंधन है तथा इसकी प्रमुख पार्टी भारतीय जनता पार्टी है।

सप्रग का पूरा नाम ÷

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन है। इसकी प्रमुख पार्टी कांग्रेस है।

उत्तर ÷ 21

शीतयुद्ध का अर्थ ÷

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व में दो महाशक्ति उभरी जिनके मध्य तनावपूर्ण भाव आरंभ हुआ युद्ध जैसी स्थिति हुई वास्तव में युद्ध नहीं हुआ शीतयुद्ध कहलाता है।

शीतयुद्ध के दौरान संकट

(i) क्यूबा मिसाइल संकट :- शीतयुद्ध के दौरान क्यूबा मिसाइल संकट हुआ, जिसे शीतयुद्ध का चरम बिंदु कहा जाता है क्योंकि इस संकट के दौरान लगा कि अब युद्ध होकर रहेगा। परंतु दोनों गुटों ने युद्ध टालने का फैसला किया।

(ii) आण्विक युद्ध की आशंका :- शीतयुद्ध के दौरान आण्विक युद्ध की आशंका होने लगी अब लगने लगा कि तीसरा विश्वयुद्ध होकर रहेगा।

(iii) विश्व का दो गुटों में बँटना :- इस दौरान पूरा विश्व दो गुटों में बँट गया, पहला गुट अमेरिका का था तथा दूसरा गुट सोवियत संघ का था जिन्हें मुख्यतः पश्चिमी तथा पूर्वी गठबंधन कहा जाता था।

उत्तर :- 22

वर्चस्व का अर्थ :- वर्चस्व यानी हेजेमनी शब्द की जड़ें मूलतः प्राचीन यूनान में हैं, इसका किसी देश की तुलना में सैन्य की प्रबलता बताने के लिए प्राचीनकाल में प्रयोग किया जाता है। सैन्य बाहुल्यता का यही अर्थ का आज अमेरिका के लिए होता है। प्रयोग

वर्चस्व का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अर्थ :-

वर्चस्व का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अर्थ सहमति गढ़ने से है, सहमति गढ़ने से आशय विश्व व्यवस्था में एक ऐसे देश का होना जो अपनी मतलब की वस्तु का व्यापार रखता है, तथा वह पूरे विश्व समुदाय को अन्य वस्तुओं को इस प्रकार दिखाता है कि जिससे वे सहमत हो जाए कि वर्चस्वशाली देश उनके हित में कार्य कर रहा है, वर्तमान समय में अमेरिका ऐसा देश है जिसकी विश्व व्यवस्था में चलती है और वह इस तरह के कार्य करता है जिससे वह बना रह सके। सांस्कृतिक वर्चस्व के उदाहरण अपनी संस्कृति का दूसरे की संस्कृति पर प्रभाव डालना है।

उत्तर :- 23

आसियान से आशय :-

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का क्षेत्रीय संगठन आसियान कहलाता है इस क्षेत्र को जापानी तथा यूरोपीय उपनिवेशवाद की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने इन देशों को तर्क दिया कि ये एक क्षेत्रीय संगठन बनाए वरना चीन इसको हड़प लेगा। इस कारण इन देशों ने आसियान की स्थापना की।

आसियान की स्थापना :-

आसियान की स्थापना 8 अगस्त 1967 को बैंकाक घोषणा पत्र के अंतर्गत किया गया, प्रारम्भ में इसके 5 देश थे वर्तमान में इसके 10 देश है, जो इस प्रकार है - इंडोनेशिया मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैण्ड, ब्रुनई, म्यामार, वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, व फिलीपिन्स है।

भूमिका

यह इन देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसके उद्देश्य है

(i) इस क्षेत्र की जनता का आर्थिक विकास जीवन स्तर ऊपर उठाना।

(ii) देशों के बीच शांति तथा सौहार्द की भावना विकसित करना।

(iii) 15 वर्षों के भीतर इन देशों के मध्य मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना।

उत्तर :- 24

श्रीलंका में जातीय संघर्ष :-

श्रीलंका देश की राजनीति में सिंहली समुदाय का वर्चस्व था इनकी मांग थी श्रीलंका सिंहली समुदाय का देश है इसलिए तामिलों के साथ सरकार को रियायत नहीं बरतनी चाहिए, इसी कारण श्रीलंका में जातीय संघर्ष प्रारम्भ हुआ, सन 1983 में लिट्टे ने तामिल ईलम की मांग की तथा भारत सरकार से तामिलों के हितों की रक्षा करने को कहा। सन 1987 में भारत सरकार ने शांति

सेना श्रीलंका भेजी। लेकिन इसको वहाँ की जनता ने खास पसंद नहीं किया तथा भारत सरकार ने इसे वापस बुला लिया, वर्तमान 2009 में इसको सफाया किया गया,

लोकतंत्र का विकास ÷

जातीय संघर्ष के बावजूद श्रीलंका में अब भी लोकतंत्र कायम है। यह विकासशील देशों में प्रथम है जिसने जनसंख्या नियंत्रण तथा उदारीकरण तथा उच्च आर्थिक विकास प्राप्त किया है।

उत्तर ÷ 25

शीतयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में तीन सुधार मुख्य हुए हैं -

(i) देशों की संख्या में वृद्धि ÷

शीतयुद्ध के बाद इसके सदस्य देशों में वृद्धि हुई है। वर्तमान में इसके 193 सदस्य हैं। जिनको आमसभा में बराबर का प्रतिनिधित्व है लेकिन सुरक्षा परिषद में नहीं,

(ii) अलग- अलग विषयों के लिए अलग आयोग ÷

शीतयुद्ध के बाद इस संघ में अलग- अलग विषयों के लिए अलग- अलग आयोग बन गए हैं जैसे - मानवाधिकार आयोग, शांति आयोग आदि,

नई समस्याओं का समाधान ÷

शीतयुद्ध के बाद संघ ने आतंकवाद, पर्यावरण आदि से सम्बन्धित मुद्दों का [illegible] लगा है।

उत्तर ÷ 26

विश्व की साझी विरासत का अर्थ है जिस पर किसी एक का अधिकार न होकर संपूर्ण समुदाय का अधिकार होता है। विश्व स्तर पर भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिसका संचालन तथा उस पर अधिकार एक देश का ना होकर संपूर्ण विश्व समुदाय का होता है। विश्व की साझी विरासत के उदाहरण हैं अंटार्कटिक प्रदेश, ओज़ोन परत, पर्यावरण आदि।

इसका प्रदूषण तथा दोहन देशों द्वारा अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए अंधाधुंध मात्रा में करने से होता है। वर्तमान युग औद्योगिकरण का युग है जिसमें उद्योगों के विकास पर बल दिया जाता है, जिससे अनेक मात्रा में गैसें निकलती हैं जो इस पर्यावरण की दुश्मन हैं। वर्तमान में ओज़ोन परत में छेद आदि इसके दुष्परिणाम हैं।

उत्तर ÷ 27

जनमत की कमजोरी के कारण एक पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ, जनमत की कमजोरी के निम्न कारण थे –

साधनों की कमी ÷ जनमत को तैयार करने

करने के लिए उस समय पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं थे, इस कारण एक दलीय पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ,

अशिक्षित जनता ÷

तत्कालिन जनता का मात्र 15% भाग ही शिक्षित था, तथा शेष अशिक्षित इस कारण दलीय प्रभुत्व कायम हुआ

यातायात के साधनों का अभाव ÷

उस समय यातायात के साधन भी सीमित थे जिस कारण लोगों को इकट्ठा करने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ता था, लेकिन यह असंभव था जो एक दलीय प्रभुत्व का कारण बना,

उत्तर ÷ 29

पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी पुलिस थाने में एक किसान विद्रोह 1967 में भड़क उठा, इसका नेतृत्व स्थानीय कार्डर के लोग कर रहे थे, नक्सलबाड़ी पुलिस थाने से प्रारम्भ होने वाला यह आंदोलन पूरे भारत में फैल गया। नक्सलबाड़ी पुलिस थाने से प्रारम्भ होने के कारण इसे नक्सलवादी आंदोलन के नाम से जाना जाता है, इसके कारण वर्तमान में अधिकांश राज्य इसकी चपेट में हुई है,

कार्यक्रम ÷

इसके अनुसार भारत में लोकतंत्र